पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

लखनऊ कला की नगरी है - राज्यपाल

लखनऊः 27 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज रवीन्द्रायल प्रेक्षागृह में आकांक्षा थियेटर आर्ट्स लखनऊ द्वारा आयोजित चतुर्थ राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 2015 के उद्घाटन के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में कला, साहित्य एवं संगीत का प्राचीन इतिहास है। किसी अन्य देश को ऐसी धरोहर नहीं मिली। देश की कलाओं का अपना अलग-अलग महत्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में नाटकों का अपना विशेष महत्व है।

श्री नाईक ने लखनऊ की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लखनऊ की शाम बड़ी सुन्दर होती है। रोज किसी न किसी तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। यहाँ के लोग कला प्रेमी हैं। लखनऊ में कला की अन्य विधाओं के शिक्षण एवं प्रशिक्षण के अनेक केन्द्र हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ कला की नगरी है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर श्रीमती ऊषा गांगुली कोलकाता को नाट्य कृतिका सम्मान, श्री राधेश्याम दीक्षित कानपुर को कला सेवा सम्मान, श्री प्रभात कुमार बोस लखनऊ को रंग विशारद सम्मान, श्री पुनीत अस्थाना लखनऊ को रंग भूषण सम्मान, श्री तरूण राज लखनऊ को विशिष्ट कला सेवा समान, श्रीमती अचला बोस लखनऊ को नाट्य रत्न सम्मान, श्री देशराज लखनऊ को नाट्य विभूषण सम्मान, श्री आनन्द प्रकाश शर्मा लखनऊ को विशिष्ट कला सेवा सम्मान, श्री अशोक लाल लखनऊ को कला रत्न सम्मान, श्रीमती दीपिका श्रीवास्तव लखनऊ को कला रत्न सम्मान एवं सुश्री श्रद्धा बोस लखनऊ को कला रत्न सम्मान से सम्मानित किया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन एवं श्री रमन लाल अग्रवाल अध्यक्ष आकांक्षा थियेटर आर्ट्स भी उपस्थित थे।